Title: Re: Independent investigation of incidents of killing in Chhatisgarh.

श्री संतोष पान्डेय (राजनंदगाँव): सम्माननीय सभापति महोदय, मैं छत्तीसगढ़ की चिंता और वहां की समस्याओं को रखने के लिए उपस्थित हुआ हूं । महोदय, छत्तीसगढ़ में जो बस्तर संभाग है, वह वनों एवं पर्वतों से आच्छादित है । वह वीर गुंडाधुर की धरती है, जहां उन्होंने अंग्रेजों के विरोध में भूमकाल विद्रोह की शुरुआत की थी । वहीं धर्मात्मा राजा प्रवीर चंद्र भंज देव ने अपनी आहूति दी थी । आज ऐसा लगता है कि केवल बस्तर में ही नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में लोकतंत्र समाप्त हो रहा है और वहां ?लहूतंत्र? की शुरुआत हो रही है । जिस प्रकार से विगत दिनों वहां माननीय नड्डा जी के प्रवास के पहले तीन हत्याएं हुईं और वे जैसे ही वहां से गए, वहां फिर दो हत्याएं हुईं, इसमें कहीं न कहीं से राजनीतिक षड्यंत्र की बू आती है । हमारे बधुर राम, कट्टा राम, नीलकंठ, सागर साहू ने उस क्षेत्र से आहूति दे दी, उसकी निष्पक्ष जांच की जाए, स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवायी जाए । नारायणपुर में रुप साय सलाम के साथ जो 25 लोगों को अन्दर किया गया है, उनको रिहा किया जाए । वहां धर्मान्तरण बंद किया जाए । उसकी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए ।